प्रधानमंत्री 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करेंगे

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक होने वाले **38वें राष्ट्रीय खेलों** का उद्घाटन करने जा रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **खेलों का परिचय:**
  - **भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने उत्तराखंड को 2025 राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी के लिये** घोषित किया है।
  - राज्य के **कई शहरों में 38 खेलों** में प्रतिस्पर्द्धा करते हुए 10,000 से अधिक एथलीट, अधिकारी और कोच भाग लेंगे।
- **भारतीय खेलों के लिये ऐतिहासिक घटना:**
  - **IOA अध्यक्ष पीटी उषा ने 38वें राष्ट्रीय खेलों को** भारत में **पारंपरिक और आधुनिक खेलों को बढ़ावा देने के लिये** एक महत्त्वपूर्ण आयोजन बताया।
  - **कलरीपयट्टु, योगासन, मल्लखंब और राफ्टिंग** जैसे प्रदर्शनकारी खेलों को शामिल करना भारत की समृद्ध विरासत के प्रति श्रद्धांजलि है तथा उभरते हुए एथलीटों के लिये एक अवसर है।
- **राष्ट्रीय खेलों का परिचय:**
  - राष्ट्रीय खेल एक **ओलंपिक शैली का आयोजन है** जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एथलीट पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।
  - **वर्ष 2025 के संस्करण में 32 मुख्य खेल विधाएँ** और चार प्रदर्शन कार्यक्रम शामिल होंगे।
- **पिछले संस्करण:**
  - **वर्ष 2023 के राष्ट्रीय खेल गोवा में आयोजित किये जायेंगे** और पाँच शहरों - मापुसा, मडगांव, पंजिम, पोंडा, वास्को में आयोजित किये जायेंगे।
  - **महाराष्ट्र** 80 स्वर्ण सहित 228 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।
  - **गुजरात में वर्ष 2022 का आयोजन** 2015 के बाद सात वर्ष के अंतराल के बाद इस आयोजन का पुनरुद्धार होगा।

कलरीपयट्टू

- यह मानव शरीर के **प्राचीन ज्ञान** पर आधारित एक **मार्शल आर्ट है।**
- इसकी उत्पत्ति **तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के** दौरान **केरल में हुई थी।** अब यह **केरल और तमिलनाडु** के कुछ हिस्सों में प्रचलित है।
- जिस स्थान पर इस मार्शल आर्ट का अभ्यास किया जाता है उसे **'कलारी' कहा जाता है।** यह एक मलयालम शब्द है जिसका **अर्थ है एक तरह का व्यायामशाला।** कलारी का शाब्दिक अर्थ है **'खलिहान' या 'युद्ध का मैदान'।** कलारी शब्द पहली बार **तमिल संगम साहित्य** में युद्ध के मैदान और युद्ध क्षेत्र दोनों का वर्णन करने के लिये आया है।
- इसे अस्तित्व में **सबसे पुरानी युद्ध प्रणालियों** में से एक माना जाता है।
- **इन्हें आधुनिक कुंग-फू का जनक** भी माना जाता है।

//

मल्लखंब

- मल्लखंब एक पारंपरिक खेल है, जिसकी उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में हुई है, जिसमें एक जिमनास्ट एक ऊर्ध्वाधर स्थिर या लटकी हुई लकड़ी के खंभे, बेंत या रस्सी के साथ **हवाई योग या जिमनास्टिक आसन और कुश्ती की पकड़ का प्रदर्शन करता है।**
- मल्लखंब नाम **मल्ला, जिसका अर्थ है पहलवान और खंब, जिसका अर्थ है खंभा से लिया गया है।** शाब्दिक अर्थ **"कुश्ती का खंभा"** है, यह शब्द पहलवानों द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले पारंपरिक प्रशिक्षण उपकरण को संदर्भित करता है।
- **मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र** इस खेल के केंद्र रहे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-to-inaugurate-38th-national-games